Phil

DEPARTMENT OF PHILOSOPHY

(Post Graduate and Research Studies)
VINOBA BHAVE UNIVERSITY
HAZARIBAG - 825301 (JHARKHAND)

Ref. No. Phil – 446
04/07/2023

Date 04.07.23

Sri Birendra
4.7.23

सेवा में
परीक्षा नियंत्रक
वि० भा० वि०, हजारीबाग।

विषय: पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के आलोक में कहना है कि आपके पत्रांक संख्या – VBU/Exam/1690/2023 के आधार पर स्नातक CBCS सत्र 2015–18 से 2019–22 तक सेमेस्टर I से IV तक अतिरिक्त GE का प्रचलित पाठ्यक्रम सूचनार्थ एवं कार्यार्थ हेतु आपके यहाँ भेजा जा रहा है।

धन्यवाद।

आपका विश्वासी
अमित कुमार सिंह
04/07/2023

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र प्रथम पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-104T

प्राचीन भारतीय दर्शन

सेमेस्टर–I, जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र प्रथम, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : दर्शन का स्वरूप, भारतीय दर्शन के मुख्य विशेषताएँ; चार्वाक दर्शन : इनके ज्ञानमीमांसीय एवं नीतिशास्त्रीय विचार। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : जैन दर्शन : जीव की अवधारणा, बंधन एवं मोक्ष; बौद्ध दर्शन : चार आर्य सत्य, अनात्मवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : न्याय दर्शन : प्रमाणों का सिद्धांत, ईश्वर का प्रत्यय एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, वैशेषिक दर्शन : पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव, परमाणुवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : सांख्य दर्शन : सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, पुरुष एवं इसके अस्तित्व के प्रमाण, विकासवाद; योग दर्शन : चित्त एवं चित्तवृत्ति, अष्टांग–योग, ईश्वर। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : पूर्व मीमांसा दर्शन : प्रामाण्यवाद, कुमारिल भट्ट एवं प्रभाकर मिश्र के विचारों में विभिन्नता एवं वाद–विवाद; अद्वैत वेदांत : निर्गुण ब्रह्म, विवर्त्तवाद, माया; विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का खंडन। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, एच० पी० : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2006

II. सिन्हा, बी० एन० : भारतीय दर्शन, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, 1996

III. निगम, शोभा : भारतीय दर्शन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2011

IV. शर्मा, सी० डी० : भारतीय दर्शन : आलोचन और अनुशीलन, मोतीलाल बनारसीदास, न्यू दिल्ली, 2013

V. चटर्जी एवं दत्त : भारतीय दर्शन, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी, पुस्तक भंडार पब्लिशिंग हाउस, पटना, 2014

04/07/2022
Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र द्वितीय   पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-204T

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

सेमेस्टर–II, जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र द्वितीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट

अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : प्लेटो : प्रत्यय विचार; अरस्तु : आकार एवं स्वरूप; थॉमस एक्वीनस : ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : डेकार्ट्स : संदेह का सिद्धांत, 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ' मन एवं शरीर, ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण; स्पिनांजा : द्रव्य, गुण, पर्याय, सर्वेश्वरवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : लाइबनिज : चिद्णुवाद, पूर्व–स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत; लॉक : जन्मजात प्रत्यय का खंडन, प्राथमिक एवं गौण गुण। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : बर्कले : प्राथमिक एवं गौण गुण के अंतर का खण्डन, 'सत्ता अनुभवमूलक है'; ह्यूम : संस्कार एवं प्रत्यय; प्रत्ययों के संबंध और वस्तु–तथ्य, संशयवाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : काण्ट : समीक्षावादी दर्शन की अवधारणा, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय, दिक् एवं काल, समझ की कोटियाँ, व्यवहार एवं परमार्थ। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I.	थिली, एफ०	:	हिस्ट्री ऑफ फिलॉसफी
II.	निगम, शोभा	:	पाश्चात्य दर्शन के सम्प्रदाय
III.	शर्मा, सी० डी०	:	पाश्चात्य दर्शन
IV.	सिंह, बी० एन०	:	पाश्चातय दर्शन
V.	मसीह, याकूब	:	पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास
VI.	निगम, शोभा	:	पाश्चात्य दर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण

04/07/2022

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र तृतीय पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-304T

भारतीय तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

~~सेमेस्टर–III~~, जेनेरिक वैकल्पिक/जेनरल पत्र तृतीय, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट
अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : ज्ञान का स्वरूप; वैध एवं अवैध ज्ञान; प्रमा : परिभाषा, प्रमाण के विभिन्न प्रकार। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : प्रामाण्य एवं प्रमेय। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : ख्यातिवाद (भ्रम के सिद्धांत)। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : कारणता : परिणामवाद, आरंभवाद, विवर्त्तवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : सामान्य; न्याय एवं बौद्ध दर्शन के बीच वाद–विवाद, अभाव, भारतीय दर्शन के सम्प्रदायों के आत्म–विचार। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. सिन्हा, नीलिमा : भारतीय ज्ञानमीमांसा

II. तिवारी, के० एन० : भारतीय तर्कबोध न्याय

III. सिंह, बी० एन० : प्रमाण परिचय

IV. बिजल्वान, एस० : भारतीय न्यायशास्त्र

V. झा, अनिरूद्ध : भारतीय तर्कबोध न्याय

VI. चटर्जी एवं दत्त : एन इंट्रोडक्शन टु इंडियन फिलॉसफी

VII. शर्मा, सी० डी० : ए क्रिटिकल सर्वे ऑफ इण्डियन फिलॉसफी

04/07/2022

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र चतुर्थ पत्र कूट – PHI-H-GE/GEN-404T

पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा

सेमेस्टर–IV, जेनेरिक वैकल्पिक / जेनरल पत्र चतुर्थ, क्रेडिट : 05 (थ्योरी) + 01 (ट्यूटोरियल)=कुल 06 क्रेडिट

अंक : 80 (थ्योरी) + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = कुल 100 अंक, अवधि : 03 घंटे

इस पत्र के थ्योरी अंश में समान अंकों के 09 प्रश्न होंगे जिनमें से 05 प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा जो कि 08 बहुविकल्पीय प्रश्नों में अंतर्विभाजित होगा और हरेक बहुविकल्पीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। शेष 08 प्रश्न वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक स्वरूप के होंगे जिनमें से किन्हीं चार का उत्तर देना होगा।

इकाई -I : ज्ञान की परिभाषा एवं प्रकार, तर्कवाक्यमूलक एवं अतर्कवाक्यमूलक ज्ञान, ज्ञान के अनिवार्य एवं पर्याप्त शर्तें। – 01 क्रेडिट

इकाई -II : ज्ञान के सिद्धांत, बुद्धिवाद, अनुभववाद एवं समीक्षावाद, उत्तरानुभविक एवं प्रागनुभविक ज्ञान, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक ज्ञान, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक ज्ञान की समस्या। – 01 क्रेडिट

इकाई -III : सत्यता का सिद्धांत : संवादिता, संसक्तता एवं व्यावहारिकता सिद्धांत; तत्त्वमीमांसा का स्वरूप। – 01 क्रेडिट

इकाई -IV : पाश्चात्य दर्शन में द्रव्य विचार, कांट का देश एवं काल। – 01 क्रेडिट

इकाई -V : कारणता सिद्धांत : अरस्तु, मिल एवं ह्यूम के विचार; मन और शरीर संबंध : बुद्धिवादियों के अनुसार। – 01 क्रेडिट

अनुशंसित पुस्तकें :

I. तिवारी, के० एन० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा, मोतीलाल बनारसीदास, 2012

II. वर्मा, ए० के० : तत्त्वमीमांसा और ज्ञानमीमांसा

III. प्रसाद, राजेन्द्र : दर्शनशास्त्र की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसीदास, 2011

04/07/2022

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)

Head
Univ. Dept. of Philosophy
Vinoba Bhave University
Hazaribag (Jharkhand)